INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VIII	Department: Hindi (2nd Lang)	Date of submission:
Question Bank	Topic: अकबरी लोटा (कहानी)	Note: Pls. write in your Hindi note book

प्रश्न-उत्तर

अति लघु प्रश्नोत्तर

प्रश्न-1-लोटा कितना पुराना था ?

उत्तर - लोटा दो साल पुराना था ।

प्रश्न-2-अंग्रेज़ को देखकर लाला ने क्या समझा?

उत्तर- अंग्रेज़ को देखकर लाला समझ गए कि लोटे ने अंग्रेज़ को भिगो दिया है तथा उसके पैरों पर चोट लगी है ।

प्रश्न-3-अकबर ने ब्राह्मण को कितने लोटे दिए?

उत्तर- अकबर ने ब्राह्मण को दस सोने के लोटे दिए ।

प्रश्न-4- बादशाह हुमायूँ किससे पराजित होकर मारा-मारा फिर रहा था ?

उत्तर- बादशाह हुमायूँ शेरशाह से पराजित होकर सिंध के रेगिस्तान में मारा-मारा फिर रहा था ।

प्रश्न-5- मेजर डगलस ने जहाँगीरी अंडा कहाँ से खरीदा था?

उत्तर-मेजर डगलस ने जहाँगीरी अंडा दिल्ली से खरीदा था ।

लघु प्रश्न -उत्तर

प्रश्न-1 लाला झाऊलाल के बारे में आप क्या जानते हैं ?

उत्तर-लाला झाऊलाल काशी के ठठेरी बाजार में रहते थे। उन्हें खाने-पीने की कोई कमी नहीं थी। घर के नीचे की दुकानों से उन्हें सौ रुपये किराया मिल जाता था । लाला झाऊलाल अच्छा खाते और अच्छा पहनते थे । रुपए देने का नाम सुनकर उनका दिल बैठ जाता था ।

प्रश्न - 2 " डरिए मत आप देने में असमर्थ हों तो मैं अपने भाई से माँग लूँ !" पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर- यह पंक्ति लाला झाऊलाल की पत्नी ने उनकी दशा देखकर कही । लाल झाऊलाल कंजूस प्रवृत्ति के व्यक्ति थे । पत्नी द्वारा एकाएक ढाई सौ रुपये माँगने पर उनका जी बैठ गया और चेहरे की हवाइयाँ उड़ गईं । तब पत्नी ने उनसे कहा " डरिए मत आप देने में असमर्थ हों तो मैं अपने भाई से माँग लूँ !"

दीर्घ प्रश्न अभ्यास -

प्रश्न - 3 अंग्रेज़ द्वारा सुनाई गई जहाँगीरी अंडे की कहानी लिखिए ।

उत्तर- कहानी के अनुसार एक कबूतर ने मुगल सम्राट जहाँगीर का नूरजहाँ से प्रेम करवाया था । नूरजहाँ देखने-सुनने में बहुत सुंदर थी । एक बार जहाँगीर ने नूरजहाँ से पूछा कि तुमने मेरा कबूतर कैसे उड़ाया ? तब नूरजहाँ ने उसके दूसरे कबूतर को उड़ाते हुए कहा कि ऐसे उड़ा दिया । जहाँगीर नूरजहाँ के इस भोलेपन पर मुग्ध हो गए । उन्होंने उसी समय अपनी जान और दिल नूरजहाँ के कदमों में न्योछावर कर दिए । नूरजहाँ अपने पूरे जीवन काल में कबूतर द्वारा उस पर किए गए इस एहसान को भूल नहीं पाई । जहाँगीर ने उस कबूतर के एक अंडे को बहुत सँभाल कर रखा । यही अंडा बाद में 'जहाँगीरी अंडे' के नाम से प्रसिद्ध हुआ ।

प्रश्न -4 बिलवासी जी ने रुपयों का प्रबंध कहाँ से किया था ? लिखिए ।

उत्तर -पंडित बिलवासी मिश्र लाला झाऊलाल के घनिष्ठ मित्र थे। दोनों एक-दूसरे से कुछ नहीं छुपाते थे। अपने मित्र को कठिनाइयों में देख और उसकी आपबीती सुनकर पंडित जी ने उनकी सहायता करने का निश्चय किया। जब पंडित जी के पास कहीं से भी रुपयों का प्रबंध नहीं हुआ तो उन्होंने अपनी पत्नी के संदूक में से ढाई सौ रुपये चोरी की । पत्नी को इस बात की तनिक भी भनक नहीं थी। देखा जाए तो यह चोरी थी, लेकिन एक मित्र को कठिनाई से बाहर निकालने के लिए यह दूसरे मित्र का प्रेम था। इस प्रकार से पंडित बिलवासी मिश्र ने रुपयों का प्रबंध किया ।

प्रश्न 5 आपके विचार से अंग्रेज ने यह पुराना लोटा क्यों खरीद लिया ?

उत्तर- अंग्रेज द्वारा पुराना बेढंगा लोटा खरीदने में उसका अहंकार टकरा गया। भले ही उसे पुरानी वस्तु खरीदने का इतना शौक क्यों न रहा हो, लेकिन उस समय पंडित बिलवासी मिश्र को नीचा दिखाने के लिए उसने पाँच सौ रुपये देकर बेढंगा लोटा खरीद लिया। दूसरा कारण यह भी था कि वह अपने पड़ोसी मेजर डगलस को नीचा दिखाना चाहता था । वह दिखाना चाहता था कि उसके सिवाए और कोई भी है, जो पुरानी एवं ऐतिहासिक वस्तुओं को खरीदकर भारत से इंग्लैंड ला सकता है। अतः उक्त दोनों कारणों के कारण अंग्रेज ने बेढंगा पुराना लोटा खरीद लिया ।

-- धन्यवाद --